

डिजिटल डिवाइस और सोशल मीडिया का भारतीय ग्रामीण समाज पर प्रभाव

डॉ. प्रियंका पांडेय

अतिथि विद्वान - समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश

यह शोध पत्र भारतीय ग्रामीण समाज पर डिजिटल डिवाइस (जैसे स्मार्टफोन) और सोशल मीडिया (व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम आदि) के प्रभाव का विश्लेषण करता है। 2025 में भारत के सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 95.8 करोड़ पहुंच गई है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का हिस्सा 57% (लगभग 54.8 करोड़) है। सकारात्मक प्रभावों में कृषि उत्पादकता में वृद्धि, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, वित्तीय समावेशन तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी शामिल है। वहीं नकारात्मक प्रभावों में पारंपरिक सामाजिक संपर्कों का ह्रास, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, गलत सूचना का प्रसार, गोपनीयता उल्लंघन तथा सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण प्रमुख हैं। द्वितीयक स्रोतों और मौजूदा सर्वेक्षणों के आधार पर यह अध्ययन सुझाव देता है कि डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों तथा जागरूकता अभियानों से संतुलित विकास संभव है।

कीवर्ड्स

डिजिटल डिवाइस, सोशल मीडिया, भारतीय ग्रामीण समाज, डिजिटल डिवाइड, डिजिटल साक्षरता, कृषि प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य, गलत सूचना।



